Dr. HONEY SINHA (ASSISTANT PROFESSOR)
Dep. of Commerce
Sub :- Financial Accounting
Paper :- I , SNSRKS COLLEGE SAHARSA

B'COM Part - 1 (Hons)

Paper :- I
Financial Accounting
(Hons)

INTRODUCTION :→

* ROYALTY :- *

संपत्ति के प्रयोग के विशेषाधिकार के प्रतिफल के रूप में दी हुई राशि को अधिकार शुल्क (Royalty) कहते है। विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषा निम्न है :-

जे. आर, बाटलीबॉय के अनुसार :→ 'अधिकार-शुल्क' शब्द उस राशि को प्रकट करता है जो एक व्यक्ति द्वारा, दूसरे व्यक्ति को उसके द्वारा दिये हुए विशेषाधिकार के उपलक्ष में जाती है; जैसे पुस्तक प्रकाशित करने का अधिकार, एक पेटेन्ट वस्तु बनाने व बेचने का अधिकार या एक खान खो-दने का अधिकार।

पिकिल्स के अनुसार :- सम्पत्ति के प्रयोग के संबंध में एक व्यक्ति को देय पारिश्रमिक अधिकार शुल्क है चाहे इसे उस व्यक्ति से किराया पर लिया हो या क्रय किया हो। यह राशि उस संपत्ति के प्रयोग से संबंधित उत्पादन या विक्रय पर नि-काली जाती है।

* CHARACTERISTICS OF ROYALTY :- *

अधिकार शुल्क की उपर्युक्त वर्णित परिभाषा के आधार पर अग्रांकित लक्षण प्रकट होते है :-

1. उद्देश्य :- एक निश्चित उद्देश्य की पूर्ती के लिये किया जाता है।
2. अवधि :- एक निश्चित अवधि के बाद देय होता है। यह अवधि अधिकतर वार्षिक या अर्द्धवार्षिक होती है।
3. प्रतिफल :- अधिकार शुल्क विशेषाधिकार प्रयोग करने का प्रतिफल है।
4. समझौता :- (Agreement) जब कभी कोई कार्य अधिकार-शुल्क के आधार पर किया जाता है तो अधिकार-शुल्क देने वाले एवं पाने वाले के मध्य एक समझौता होता है और

इसी समझौते के आधार पर किया जाता है तो Royalty देने वाले एवं पाने वाले के मध्य एक समझौता होता है और इसी समझौते के आधार पर अधिकार शुल्क की दर, इसके भुगतान का समय- तथा लघुकार्य राशि के अपलेखन, आदि की शर्तें निर्धारित की जाती है।

5. प्रयोग (Use) :- विशेषाधिकार का प्रयोग उत्पादन, प्रयोग या बिक्री के लिये अधिकतर किया जाता है जैसे खानों से कोयला निकालने के लिये, पेटेण्ट प्रयोग करने के लिये या पुस्तके बेचने के लिये।

6. अधिकार-शुल्क की दर (Rate of Royalty) :- अधिकार-शुल्क निकालने के लिए एक दर निश्चित रहती है। इसी के आधार पर इसकी गणना की जाती है। यह दर या P/T या P/Book या अन्य प्रकार की इकाई से संबंधित होती है।

किराया और अधिकार-शुल्क में अंतर :-
Difference Between Rent & Royalty :-

इसमें निम्नलिखित अंतर स्पष्ट किये गये है :-

* परिभाषा :- किराया किसी मूर्त सम्पत्ति को उपयोग में लाने का प्रतिफल है। मूर्त संपत्ति का आशय है भवन, संयंत्र, आदि। अधिकार शुल्क मूर्त या अमूर्त किसी प्रकार की भी सम्पत्ति के उपयोग में लाने का प्रतिफल होता है।
* भुगतान का अधिकार :- किराये की राशि वर्ष, माह, सप्ताह, या घंटे के हिसाब से निश्चित की जाती है। परंतु Royalty की राशि सम्पत्ति के उपयोग में लाने की सीमा पर निर्भर होती है जैसे खान के संबंध में उत्पादन की मात्रा पर।

(Types of Royalties)
अधिकार शुल्क के प्रकार

अधिकार शुल्क कई प्रकार का होता है, पर निम्नांकित प्रमुख है :-

1. Mining Royalties (खादान अधिकार-शुल्क)
2. Brick-making Royalties (ईंट बनाने के संबंध में अधिकार-शुल्क)

तेल के कुओं के संबंध में अधिकार शुल्क (Oil wells Royalties)
3. पेटेंट अधिकार शुल्क (Patent Royalties)
4. प्रतिलिप्याधिकार अधिकार-शुल्क (Copyright Royalties)
5. मशीनों, गुप्त उपकरणों, तकनीकी ज्ञान, आदि के संबंध में
6. अधिकार-शुल्क (Royalties in connection with machines, Secret process, technical knowledge, etc)
7. उत्पादन पर अधिकार-शुल्क (Royalties on Sale of Production)
8. ट्रेडमार्क के संबंध में अधिकार-शुल्क (Trademark Royalties)
9. अन्य अधिकार-शुल्क (Other Royalties)

अधिकार-शुल्क में प्रयोग होने वाले तकनीकी शब्दों का स्पष्टीकरण (संक्षिप्त व्याख्या)

* **अधिकार-शुल्क (Royalty)** यह एक तरह का किराया है जो पट्टाधारी (Lessee) द्वारा स्वामी के सम्पति को व्यवहार में लाने के लिये स्वामी (Landlord) को दिया जाता है। इसका गुणन उत्पादन के आधार पर किया जाता है।

Royalty = Production × Rate

* **न्यूनतम किराया (Minimum Rent)** स्वामी को अधिकार-शुल्क दिया जाता है परंन्तु वह एक न्यूनतन प्राप्ति राशि निर्धारित कर देता है जिसे न्यूनतम किराया कहा जाता है।

* **लघुकार्य (Short working)** यह एक तरह का स्वामी को अग्रिम भुगतान है। अधिकार शुल्क से जो भी राशि अतिरिक्त स्वामी को दी जाती है उसे लघुकार्य कहा जाता है। इस अग्रिम भुगतान की कटौती (Adjustment) एक निश्चित समय के अंदर न्यूनतम किराया से अधिकार-शुल्क अधिक होने पर आधिक्य से की जाती है।

Shortworking = M.R − Royalty

* **आधिक्य (Surplus)** जब अधिकार-शुल्क की राशि न्यूनतम किराये से अधिक हो तो आधिक्य की स्थिति होती है। इसी आधिक्य से लघुकार्य की वसूली होती है।

Surplus = Royalty − M.R

समायोजित न होने वाले लघुकार्य (Unrecouped Short-working)
जो लघुकार्य स्वामी द्वारा निर्धारित समय के अंदर समायोजित (recouped) नहीं हो पाता है, उसे Unrecouped Short-working कहा जाता है। जिसे समय के समाप्ति पर लाभ-हानि खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

* खानों के संबंध में अधिकार-शुल्क लेखे *
(Accounting Record For Mining Royalties)

* Accounting Records in the Books of Lessee
(पट्टे या अधिकार-शुल्क देने वाले की पुस्तकों में लेखा)
अधिकार-शुल्क के संबंध में अधिकार-शुल्क देने वाले की पुस्तकों में लेखा करते समय तीन दशाएं हो सकती हैं :-
(अ) जब अधिकार शुल्क की राशि न्यूनतम किराये की राशि से कम होती है। (ब) जब अधिकार-शुल्क की राशि न्यूनतम किराये की राशि से अधिक होती है। (स) जब अधिकार-शुल्क की राशि न्यूनतम किराया की राशि के बराबर होती है।

(अ) जब Royalty की राशि Minimum Rent की राशि से कम होती है, तब निम्न लेखे किये जाते है। (When Royalty is Less than minimum Rent)

(i) जबकि अधिकार-शुल्क की राशि देय हो :-

Royalty A/c — — Dr
Shortworking A/c — — Dr
To LandLord A/c
(Being: Royalties earned and shortworking to be paid to the LandLord)

(ii) जबकि उपर्युक्त देय राशि का भुगतान किया जाता है:

LandLord A/c — — Dr
To, Bank A/c
(Being :- Cash paid to LandLord)

(iii) अधिकार-शुल्क खाते को वर्ष के अंत में बंद करने के लिये:-
Profit & Loss A/C – – Dr
To, Royalties A/c
(Being:- the amount of Royalties transferred to profit & Loss A/C)

उपर्युक्त First (i) Journal entries के स्थान पर यदि आवश्यक हो तो निम्नलिखित दो लेखे किये जा सकते है:

(a) Minimum Rent A/C or Dead Rent A/C – – – Dr
To, Landlord A/c
(Being:- Minimum Rent Payable to Landlord)

(b) Royalties A/c – – – – – Dr
Shortworking A/c – – – – – Dr
To, Rent or Dead Rent A/C
(Being:- The Balance of Minimum Rent A/C transferred to Royalties A/c and Shortworking A/c)

(अ) जब अधिकार-शुल्क की राशि न्यूनतम किराये की राशि से अधिक होती है:-(When Royalty is more than Minimum Rent)

(i) जब अधिकार-शुल्क की राशि न्यूनतम किराये की राशि से अधिक होती है तो निम्न Journal entries होगी।
जब अधिकार शुल्क की राशि देय हो:
Royalties A/C – – – – Dr
To Landlord A/C
(Being:- Royalties earned and payable to Landlord)

(ii) लघुकार्य राशि को अपलिखित करने के लिये:-
Landlord A/C – – – – Dr
To, Shortworking
(Being:- The balance of shortworkings of-

former years recouped from excess Royalties)

(iii) जबकि देय राशि का भुगतान संपत्ति के स्वामी को किया जाता है :-

Landlord A/c _ _ _ _ _ Dr
To, Bank A/c
(Being:- Payment made to Landlord)

उपर्युक्त द्वितीय और तृतीय Journal entries के स्थान पर निम्नांकित एक प्रविष्टि द्वारा ही काम चलाया जा सकता है :-

Landlord A/c _ _ _ _ Dr
To, shortworking A/c
To, Bank A/c
(Being:- shortworkings to the extent of Rs.... recouped and balance paid to the Landlord)

कभी-कभी हम लघुकार्य राशि को प्रथम प्रविष्टि में ही निम्न प्रकार अपलिखित कर देते है:

Royalties A/c _ _ _ _ Dr
To, shortworking A/c
To, Landlord A/c
(Being:- Written of shortworkings and Balance payable to Landlord)

(iv) अधिकार-शुल्क खाते को वर्ष के अंत में बंद करने के लिये :-

Profit & Loss A/c _ _ _ Dr
To, Royalties A/c
(Being:- the amount of Royalties transferred to Profit & Loss A/c)

(स) जब अधिकार-शुल्क की राशि न्यूनतम किराये की राशि के बराबर होती है: when Royalty is

equal to minimum Rent)

(i) जब अधिकार शुल्क की राशि देय हो :-

Royalties A/C — — Dr
To, Landlord A/C
(Being:- Royalties earned and payable to Landlord)

(ii) जब अधिकार-शुल्क की राशि का भुगतान किया जाता है :-

Landlord A/C — — Dr
To, Bank A/C
(Being:- Cash paid to Landlord)

(iii) जब अधिकार-शुल्क खाते को वर्ष के अंत में बंद किया जाता है :-

Profit & Loss A/C
To, Royalties A/c
(Being the amount of Royalties transferred to Profit & loss A/c)

Note:- सवाल में पूछने पर ही Balance sheet बनाया जाएगा अथवा नहीं।

* अधिकार शुल्क देने वाले की पुस्तकों में खोले जाने वाले खाते / विवरण का नमूना *

Landlord Account

यह व्यक्तिगत दायित्व खाता है। दायित्व होने पर Cr. एवं भुगतान / लघुकार्य की वसूली पर Dr. किया जाता है।

(वसूली या भुगतान पर)	Rs.	(बकाया होने पर)	Rs.
To, Shortworking A/c (2) To, Bank / Cash A/c		By, Royalty A/c (6) By, Shortworking A/c (1) 'or' By, Minimum Rent A/c (3)	

* Short working Account *

(यह सम्पति है। S.W. देने पर Dr. एवं वसूली होने या अपलिखित होने या बचे रहने पर Cr. किया जाता है)

(S.W होने पर)	Rs.	(वसूल / अपलिखित होने पर)	Rs.
To, Landlord A/c (1)		By, Landlord A/c (2)	
'or'		By, P&L A/c	
To, Minimum Rent (4)		By, Balance c/d	

* Minimum Rent Account *

(यह व्यय है। बकाया होने पर Dr. एवं Royalty तथा S.W का बंटवारा करने पर Cr. किया जाता है।)

(बकाया होने पर)	Rs.	(बंटवारा करने पर)	Rs.
To, Landlord A/c (3)			
		By, Royalty A/c (5)	
		By, S.W. A/c (4)	

(Note:- Minimum Rent सवाल में पूछने पर ही बनाया जाता है।) (अन्यथा नहीं)

* Royalty Account *

यह व्यय है अतः होने पर Dr. एवं P&L A/c में हस्तांतरित करने पर Cr. किया जाता है।)

(बकाया होने पर)	Rs.	(P&L A/c में हस्तान्तरित करने पर)	Rs.
To, Landlord A/c (6)			
'or'			
To, Minimum Rent A/c (5)		By, P&L A/c	

* Balance Sheet *

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
		Short workings (बचा हुआ S.W)	

(नोट (Note) सवाल में पूछने पर ही Balance Sheet बनाया जाएगा अन्यथा नहीं।)

The end

(Honey Sinha) 11/04/2020
Dr. HONEY SINHA
(ASSISTANT PROFESSOR)
Dep. of Commerce
Sub:- Financial Accounting (Hons)
Paper - I
SNSRKS COLLEGE, SAHARSA